



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 162]
No. 162]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 30, 1982/वैशाख 10, 1904
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 30, 1982/VAISAKHA 10, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1982

का० आ० 290(अ)---यह, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश संख्या 293(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/78, दिनांक 1-5-1978, जिसे इसमें, इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है, द्वारा एल्युमिनियम कार्पोरेशन आफ इंडिया लि०, कलकत्ता के आसनमोल के समीप जे० के० तंगर में स्थित औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक, की उपधारा (1) के अधीन 30 अप्रैल, 1979 तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) एक वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और भारत एल्युमिनियम कंपनी लि० को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

(और यह, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेशों—दिनांक 25 अप्रैल, 1979 के का० आ० 224(अ), दिनांक 29 अप्रैल, 1980 के का० आ० 286(अ) और दिनांक 31 अक्टूबर 1980 के का० आ० 869(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/80 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, दिनांक 30 अप्रैल, 1981 तक एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी।

118 GI/82

और यह, भारत सरकार उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश दिनांक 30-4-31 के का० आ० 325(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/81 द्वारा उक्त आदेश की अवधि दिनांक 30 अप्रैल, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी शामिल है, बढ़ा दी गई थी।

और यह, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का 31 जुलाई, 1982 तक 3 महीने की और अवधि के लिए भारत एल्युमिनियम कंपनी लि० के प्रबंध में बना रहने दिया जाना चाहिए।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 जुलाई, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी शामिल है, तीन महीने की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का० सं० 4(1)/80-सी० यू० सी०]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th April, 1982

S.O. 290(E)—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 293(E)/18AA/IDRA/78, dated

(1)

1st May, 1978, hereinafter referred to as the said Order, the management of the industrial undertaking located at Jaykaynagar near Asansol belonging to the Aluminium Corporation of India Limited, Calcutta, was taken over under sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), for a period of one year upto and inclusive of the 30th April 1979, and the Bharat Aluminium Company Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertakings;

And, whereas by the orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 224(E), dated the 25th April 1979, No. S.O. 286(E), dated the 29th April 1980, and No. S.O. 869(E)|18AA|IDRA|80, dated the 31st October 1980, the duration of the said order was extended for a period upto the 30th April 1981;

And, whereas by the orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 325(E)|18AA|IDRA|81, dated the 30th April 1981, the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 30th April 1982;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Bharat Aluminium Company Limited for a further period of three months upto the 31st July 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period of three months upto and inclusive of the 31st July 1982.

[F. No. 4(1)|80CUS]

आदेश

का० आ० 291(अ).—यतः, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के दिनांक 2 मई, 1978 के आदेश संख्या का० आ० 302(अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/78 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18बख की उपधारा (1) खंड (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसे सभी संविदाओं, संपत्ति के हस्तांतरण-पत्रों, करारों, समझौतों, पंजीयों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों, जिसका एम्बुमिनियम कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता के असानसोल के समीप जे० के० नगर स्थित औद्योगिक उपक्रम; एक पक्षकार है, या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम पर लागू हो सकते हों, का प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार बाधाएं और बाधित्व एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे;

और यतः, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेशों—दिनांक 25 अप्रैल, 1979 के का० आ० 225(अ) 18बख/आई० डी० आर० ए०/79, दिनांक 29 अप्रैल, 1980 के का० आ० 287(अ)/18बख/आई० डी० आर० ए०/80, दिनांक 31 अक्टूबर, 1980 के का० आ० 870/18बख/आई० डी० आर० ए०/80 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 30 अप्रैल, 1981 तक की अवधि के लिए और बढ़ा दी गई थी।

और यतः, भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के दिनांक 30 अप्रैल, 1981 के का० आ० 326(अ)/18बख/आई० डी० आर० ए०/81, दिनांक 30 अप्रैल, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी शामिल है, बढ़ा दी गई थी।

और यतः, केन्द्रीय सरकार संतुष्ट है कि उक्त आदेश की अवधि और तीन महीने यानी 31 जुलाई, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी शामिल है, बढ़ा देनी चाहिए।

अतः, अतः केन्द्र सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18बख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 31 जुलाई, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी शामिल है, बढ़ाती है।

[का० सं० 4(1)/80-सी० ए० एस०]

चन्द्र किशोर मोदी, सयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 291(E).—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 302(E)/FBI/IDRA/78, dated the 2nd May 1978, (hereinafter referred to as the said order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurance of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said order to which the industrial undertaking located at Jaykaynagar near Asansol and belonging to the Aluminium Corporation of India Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking, shall remain suspended for a period of one year and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year;

And, whereas by the orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 225(E)|18FB|IDRA|80, dated the 25th April 1979, No. S.O. 287(E)|18FB|IDRA|80, dated the 29th April 1980, No. S.O. 870|18FB|IDRA|80, dated the 31st October 1980, the duration of the said order was extended for a period upto the 30th April 1981.

And, whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 326(E)|18FB|IDRA|81, dated the 30th April 1981, the duration of the said order was extended upto and inclusive of the 30th April 1982;

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 31st July 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18 FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said order upto and inclusive of the 31st July 1982.

[F. No. 4(1)|80-CUS]

C. K. MODI, Jt. Secy.